

बाल गंगाधर तिलक

बाल गंगाधर तिलक

(23 जुलाई 1856 - 1 अगस्त 1920)

पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य के सबसे शुरुआती व सबसे मुखर समर्थकों में से एक

संक्षिप्त विवरण

- इन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है
- महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था
- शिक्षाविद: एक विपुल लेखक और पत्रकार
- संबंधित संस्थान: डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884) और फर्ग्यूसन कॉलेज (1885)



सामाजिक और राजनीतिक योगदान

- विचारधारा: एक धर्मनिष्ठ हिंदू; लोगों को जागृत करने के लिये हिंदू धर्मग्रंथों का उपयोग किया
- कांग्रेस में भूमिका: 1890 में शामिल हुए; सूरत विभाजन (1907) में महत्वपूर्ण भूमिका - उग्रवादी सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता करना चाहते थे
- नारा: "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा!"
- लाल-बाल-पाल तिकड़ी: लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ इन्होंने उग्रवादी समूह का नेतृत्व किया

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- स्वदेशी आन्दोलन का प्रचार किया
- एनी बेसेंट के साथ भारतीय होम रूल आंदोलन का नेतृत्व किया
- अप्रैल 1916 में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की

लखनऊ समझौता (1916) - राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिये तिलक की नेतृत्व वाली कांग्रेस और जिन्ना की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के बीच हस्ताक्षरित

साहित्यिक कार्य

- समाचार पत्र: "केसरी" (मराठी) और "द मराठा" (अंग्रेज़ी)
- पुस्तकें: गीता रहस्य (उनकी प्रसिद्ध रचना) और द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज